www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार

13 जून 2026, ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2083, लखनऊ

नगर संस्करण • पांच प्रदेश • 23 संस्करण

अमित शाह बोले, नारी शक्ति को आगे बढ़ा रहा मोदी मॉडल

विश्व के 5 फीसदी वैज्ञानिकों में एरा विवि के तीन डॉक्टर

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। एरा विश्वविद्यालय के तीन वैज्ञानिकों का चयन विश्व के पांच फीसदी श्रेष्ठवैज्ञानिकों में किया गया है। साइरैंक ग्लोबल एक स्वतंत्र संस्था है जो विश्व भर के वैज्ञानिकों के शोध का अध्ययन कर वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिकों की रैंकिंग जारी करती है। रैंकिंग में एरा के डीन एमिरेट्स व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एमएमए फरीदी, डॉ. शादाब रजा और डॉ. रूमाना अहमद भी इन पांच प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हैं।

डॉ. फरीदी वर्ष 2017 से एरा विवि में कार्यरत हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम

■ इंटरनेशनल साइरैंक ग्लोबल संस्था ने जारी की वैज्ञानिकों की सूची

विवि से शिक्षा ग्रहण की। अमेरिका में प्रशिक्षण लिया। दिल्ली के गुरु तेग बहादुर चिकित्सालय में निदेशक पद पर कार्य किया। वहीं, डॉ. शादाब रजा स्टेम सेल रिसर्च लैब के प्रभारी हैं। जो स्टेम सेल व लकवे पर काम कर रहे हैं। डॉ. शादाब रजा के अब तक 80 शोध पत्र व पांच पेटेण्ट हो चुके हैं। डॉ. रूमाना अहमद एरा विवि में ट्िश्यू कल्चर लैब इंचार्ज हैं।

विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में एरा विवि के तीन

लखनऊ। एरा विश्वविद्यालय के तीन वैज्ञानिकों को साइरैंक ग्लोबल के जरिये विश्व के शीर्ष पांच फीसदी वैज्ञानिकों में चुना गया है। साइरैंक ग्लोबल एक स्वतंत्र संस्था है जो वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध का अध्ययन कर रैंकिंग जारी करती है। इनमें डीन एमिरेट्स डॉ. एमएमए फरीदी, डॉ. शादाब रजा और डॉ. रूमाना अहमद शामिल हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एमएमए फरीदी वर्ष 2017 से एरा विवि में कार्यरत हैं। डॉ. शादाब रजा स्टेम सेल रिसर्च लैब के प्रभारी हैं। डॉ. रूमाना अहमद टिश्यू कल्चर लैब की इंचार्ज हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

शनिवार, 13 जून 2026 W A T C H G O D W A T C H D O G

NBT नवभारत टाइम्स

गरीब आदमी अब वोट नही, विकास का केंद्र: योगी

▸ देखें अंदर

ट्रंप का दावा- जंग खत्म, ईरान बोला- अभी तय नही

▸ देखें अंदर

subscribe.timesofindia.com

शीर्ष 5% वैज्ञानिकों में एरा के भी तीन

■ NBT न्यूज, लखनऊ : एरा विश्वविद्यालय के तीन वैज्ञानिको का चयन विश्व के शीर्ष पांच प्रतिशत श्रेष्ठ वैज्ञानिको मे किया गया है। यह सम्मान साइरैंक ग्लोबल (SciRank Global) की ओर से जारी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग मे मिला है। यह स्वतंत्र संस्था दुनिया भर के वैज्ञानिको के शोध कार्यो का मूल्यांकन कर उनकी वैश्विक रैंकिंग जारी करती है। रैंकिंग मे विवि के डॉ. एमएमए फरीदी, डॉ. शादाब रजा और शोधकर्ता डॉ. रूमाना अहमद को स्थान मिला है।

इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 13 जून 2026

ब्रह्मज्ञानी को स्वर्ग तृण है, शूर को जीवन तृण है, जिसने इंद्रियों को वश में किया उसको स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है, निस्पृह को जगत तृण है
-चाणक्य

वर्ष 18 अंक 281 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 36.1°C (-3.2) न्यूनतम 26.5°C(-0.7) सेंसेक्स 75,527.95 (+1695.41) निफ्टी 23,622.90 (+461.30) सोना 1,45,820 चांदी 2,60,000 मुद्रा - डालर 95.06 दिरहम 25.88 रियाल 25.35

विश्व के 5 फीसदी शीर्ष वैज्ञानिकों में एरा के तीन डॉक्टर शामिल

प्रो. एम.एम.ए. फरीदी

डॉ. शादाब रज़ा

डॉ. रूमाना अहमद

- साइरैंक ग्लोबल संस्था की ओर से जारी हुई सूची
- प्रो. एमएमए फरीदी भी इस उपलब्धि में शामिल

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा विश्वविद्यालय के तीन वैज्ञानिकों का चयन विश्व के 5 प्रतिशत श्रेष्ठ वैज्ञानिकों में किया गया है। साइरैंक ग्लोबल एक स्वतंत्र संस्था है जो विश्व भर के वैज्ञानिकों के शोध का अध्ययन कर वैश्विक स्तर पर शीर्ष वैज्ञानिकों की रैंकिंग जारी करती है। साइरैंक ग्लोबल डेटा को एकत्रित कर उसे व्यवस्थित करने और महत्वपूर्ण जानकारी निकाल उसे प्रमाणित करती है। साइरैंक ग्लोबल की ओर से हाल ही में जारी रैंकिंग में एरा विवि के डीन एमिरेट्स प्रो. एम.एम.ए. फरीदी के अलावा डॉ. शादाब रजा और डॉ. रूमाना अहमद का भी चयन विश्व के पांच प्रतिशत श्रेष्ठ वैज्ञानिकों में हुआ है। एरा विवि की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी और एक दशक के भीतर ही संस्थान के 3 वैज्ञानिकों का चयन विश्व के 5 प्रतिशत श्रेष्ठ वैज्ञानिकों में हुआ है।

प्रो. एम.एम.ए. फरीदी बाल रोग विशेषज्ञ हैं, जो वर्ष 2017 से एरा विवि में कार्यरत हैं। प्रो. फरीदी ने अमुवि से शिक्षा ग्रहण कर अमेरिका में प्रशिक्षण किया और दिल्ली के गुरु तेग बहादुर चिकित्सालय में निदेशक प्रो. के पद पर कार्य किया। प्रो. फरीदी एमसीआई के इंस्पेक्टर के पद भी कार्यरत रहे। बच्चों के स्तनपान, खान-पान और टीकाकरण को लेकर प्रो. फरीदी के 200 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. फरीदी के 4200 साइटेशन और 36 एच इंडेक्स हैं। प्रो. फरीदी के शोधपत्र अब तक 77 हजार से अधिक वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। प्रो. फरीदी को वर्ष 2003 में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री रहीं स्वर्गीय शीला दीक्षित ने राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया था। कोविड महामारी के दौरान बेहतरीन चिकित्सा सुविधा के लिए सम्मानित होने के साथ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने वर्ष 2024 में लाइफ टाइम अचीवमेंट से प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के हाथों सम्मानित किया। प्रो. फरीदी का एक पेटेण्ट भी पंजीकृत हो चुका है।

एरा विवि के डॉ. शादाब रजा स्टेम सेल रिसर्च लैब के प्रभारी हैं, जो स्टेम सेल व लकवे पर काम कर रहे हैं। डॉ. शादाब स्टेम सेल थेरेपी के जरिए स्ट्रोक के इलाज पर काम कर रहे हैं। डॉ. शादाब रजा के अब तक 80 शोध पत्र प्रकाशित होने के साथ ही 5 पेटेण्ट हो चुके हैं और छठवें पर काम चल रहा है। डॉ. शादाब रजा अमेरिका से प्रशिक्षण प्राप्त कर बीते 11 वर्षों से एरा विवि में कार्यरत हैं।

लविवि में समाज शास्त्र के प्रो. व साहित्यकार रहे स्वर्गीय डॉ. मेराज अहमद की पुत्री डॉ. रूमाना अहमद एरा विवि के बायो केमेस्ट्री विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. रूमाना टिशू कल्चर पर शोध करती हैं। डॉ. रूमाना प्राकृतिक पदार्थों के जरिए कैंसर, डायबिटीज और कोविड जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के साथ अधेड़ उम्र की महिलाओं में होने वाले हड्डियों की कमजोरी (ऑस्टियोप्रोसेस) के इलाज पर भी काम कर रही हैं। डॉ. रूमाना ने बताया कि प्राकृतिक उत्पादों के प्रयोग से महिलाओं की हड्डियों में होने वाली कमजोरी को रोका जा सकता है। डॉ. रूमाना के दो प्रोजेक्ट को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने प्रायोजित किया है। इसके अलावा उनके अन्य प्रोजेक्ट डिपार्टमेण्ट ऑफ हायर एजूकेशन उत्तर प्रदेश सरकार ने भी प्रायोजित किये हैं। डॉ. रूमाना के अब तक 100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं और उनके नाम एक पेटेंट भी है।